सिवनी

शब्दबाणों का प्रहार

मध्य भारत का सबसे लोकप्रिय अखबार

राष्ट्रबाण

संपादक : संजय बघेल

मंगलवार 1 अप्रैल 2026 | E-PAPER: www.rashtrabaan.in | वर्ष : 10 | अंक : 330 | पृष्ठ : 06 | मूल्य : 5.00 रुपए | www.facebook.com/rashtrabaan | www.twitter.com/rashtrabaan

बिहार: नालंदा के मंदिर में भगदड़, 9 की मौत

इनमें 8 महिलाएं; राष्ट्रपति की सुरक्षा में 2500 जवान, 25 हजार श्रद्धालुओं के लिए कोई नहीं

राष्ट्रबाण नईदिल्ली | एजेंसी rashtrabaan.in

बिहार में नालंदा जिले में मंगलवार सुबह शीतला माता मंदिर में भगदड़ मच गई। हादसे में 9 लोगों की मौत हो गई। 8 महिलाओं की भीड़ में दबने से मौके पर ही मौत हो गई थी, जबकि एक पुरुष ने अस्पताल में दम तोड़ा।

चैत्र महीने के आखिरी मंगलवार को बड़ी संख्या में श्रद्धालु इस मंदिर में पहुंचे थे। वहां मेला भी लगा था। मौके पर मौजूद लोगों ने बताया कि भीड़ को संभालने के लिए पर्याप्त इंतजाम नहीं थे। दर्शन करने की जल्दी में धक्का-मुक्की मच गई। अफरातफरी के बीच कई लोग भीड़ में दब गए। बड़ी संख्या में लोग घायल भी हुए हैं। हादसे के बाद मंदिर और मेला को बंद करवा दिया है।

आज नालंदा यूनिवर्सिटी के दीक्षांत समारोह में राष्ट्रपति शामिल हुईं। उनकी सुरक्षा में 8 जिलों के 2500 जवानों को लगाया गया था, जबकि मंदिर में जुटी 25 हजार की भीड़ के लिए एक भी पुलिस वाले की तैनाती नहीं थी। हादसे के बाद पटना कमिश्नर को बिहार शरीफ भेजा गया है। सीएम ने मुख्य सचिव को जांच के निर्देश दिए हैं। दीपनगर थाने के साह्न राजमणि को सस्पेंड कर दिया गया है। सरकार ने मृतकों के आश्रितों को 6 लाख रुपए मुआवजा देने की घोषणा की है। वही केंद्र सरकार ने 2 लाख के मुआवजे की घोषणा की है।

दर्शन की जल्दबाजी में मची भगदड़: महिला भक्तों ने बताया कि चैत्र महीने का ये आखिरी मंगलवार है। यहां मेला लगा था। भीड़ ज्यादा हो गई। मंदिर का गर्भगृह भी छोटा है। लोग जल्दी-जल्दी दर्शन करने के लिए एक-दूसरे से आगे निकलने की कोशिश में थे। कोई लाइन में लगकर पूजा नहीं करना चाह रहा था। दूसरे श्रद्धालु ने बताया, 'सुरक्षा का कोई इंतजाम नहीं किया गया था। मंदिर के अंदर भारी भीड़ थी। पुलिस का जवान अंदर तैनात नहीं था। भीड़ को डायवर्ट करने या दो लाइनों में बांटने की कोई व्यवस्था नहीं थी। मंदिर के पुजारी ही जल्दी-जल्दी दर्शन कर निकलने को कह रहे थे। इस बीच एक महिला को चक्कर आ गया, जिससे वो वहीं गिर पड़ी। कुछ लोग उसे संभालने लगे, और भीड़ को पीछे करने की कोशिश की। इस दौरान भगदड़ मच गई।'

हादसे से जुड़ी बड़ी बातें -

- नालंदा पहुंचे DGP विनय कुमार ने कहा कि मंदिर परिसर में बहुत कमियां हैं। निश्चित तौर पर यहां पुलिस की टीम होनी चाहिए थी। SHO को संस्पेंड किया गया है।
- चैत्र महीने के आखिरी मंगलवार के चलते पटना और आसपास के इलाकों से भी दर्शन के लिए पहुंचे थे। इस वजह भीड़ बहुत बढ़ गई।
- मंदिर परिसर छोटा था। भीड़ को कंट्रोल करने के इंतजाम नहीं थे। लोगों में पहले दर्शन करने की होड़ लग गई।
- लोग कतार में लगने की जगह आगे बढ़ने की कोशिश करने लगे। इससे भगदड़ की स्थिति बन गई। कई लोग भीड़ के नीचे दब गए।
- मौके पर मौजूद लोगों ने बताया कि हादसे के बाद पुलिस और एंबुलेंस को पहुंचने में भी देर हुई।

लापरवाही के तीन बड़े कारण

मंदिर प्रबंधन ने व्यवस्था नहीं की

आज चैत्र का आखिरी मंगलवार है। मघड़ा शीतला मंदिर में इस दिन हर साल भीड़ होती है, मंदिर प्रबंधन को इस बात की जानकारी थी, इसके बाद भी भीड़ को व्यवस्थित रखने के लिए अलग से कोई इंतजाम नहीं किया गया था। भीड़ को कंट्रोल करने के लिए मंदिर परिसर में बैरिकेडिंग तक नहीं की गई थी।

चोर दरवाजे से दर्शन कराए जा रहे थे

बढ़ती भीड़ को कंट्रोल करने की बजाए मंदिर प्रबंधन और वहां मौजूद पुजारी फायदा उठा रहे थे। वे लोगों से पैसा लेकर पीछे के दरवाजे से माता का दर्शन कराने लगे। इन्हें रोकने वाला कोई नहीं था, ये अपनी मनमानी कर रहे थे। इसके कारण लोगों में नाराजगी बढ़ती चली गई।

पुलिस- प्रशासन की कोई व्यवस्था नहीं

मंदिर परिसर में न तो सुरक्षा का कोई इंतजाम था और न ही भीड़ को कंट्रोल करने के लिए किसी पुलिसकर्मी को तैनात किया गया था। मेले की पहले से जानकारी होने के बाद भी प्रशासन की तरफ से यहां किसी मजिस्ट्रेट को तैनात नहीं किया गया था।

सूरत की बिल्डिंग में आग, 5 की मौत : इनमें चार महिलाएं

एक बच्चा शामिल, घर में रखा था 8 टन साड़ियों का स्टॉक

राष्ट्रबाण सूरत | एजेंसी rashtrabaan.in

गुजरात के सूरत में एक मकान में मंगलवार दोपहर को आग लगने से 5 लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में 4 महिलाएं और एक बच्चा शामिल है। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीमें मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। पड़ोसियों से मिली जानकारी के मुताबिक, शहर के लिंबायत इलाके का यह मकान एक व्यापारी का है, जिसमें करीब 8 टन साड़ियों का स्टॉक रखा हुआ था। इससे घर में पैदल चलने तक की जगह नहीं बची थी। इसी के चलते आग इतनी तेजी से भड़की। किसी को बचने का मौका नहीं मिला।

मरने वालों में 4 साल का बच्चा भी

मरने वालों में एक बच्चे समेत 4 महिलाएं शामिल हैं। इनके नाम- शाहनाज बेगम अंसारी (उम्र 65 वर्ष), हुसा बेगम अंसारी (उम्र 18 वर्ष), शबीन अंसारी (उम्र 28), परवीन अंसारी (उम्र 19) और शुभान अंसारी (उम्र 4) शामिल हैं। अहमदाबाद में सिलेंडर ब्लास्ट में 5 झुलसे अहमदाबाद के नारणपुरा इलाके में मंगलवार सुबह गैस सिलेंडर फटने से घर में मौजूद पांच लोग झुलस गए। सभी घायलों को सिविल अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। धमाका इतना जोरदार था कि इमारत का लोहे का दरवाजा भी टूटकर सामने वाली दीवार से जा टकराया। इसके साथ ही पास की दो अन्य बिल्डिंगों की खिड़कियां भी टूट गईं।

अमेरिका किसी देश की मदद नहीं करेगा : ट्रम्प

हमसे तेल खरीदो, नहीं तो हिम्मत दिखाओ और होर्मुज जाकर ले लो

राष्ट्रबाण वॉशिंगटन डीसी | एजेंसी rashtrabaan.in

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने मंगलवार को कहा कि अब अमेरिका किसी देश की मदद नहीं करेगा। देशों को खुद ही अपने हालात संभालने होंगे। उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि ब्रिटेन जैसे देश जो होर्मुज स्ट्रेट से फ्यूल नहीं ले पा रहे हैं, उन्हें अमेरिका से तेल खरीदना चाहिए क्योंकि अमेरिका के पास इसकी कोई कमी नहीं है।

ट्रम्प ने कहा कि अगर देश चाहें, तो हिम्मत दिखाएं और खुद होर्मुज स्ट्रेट जाकर तेल ले लें। अमेरिका उनकी मदद के लिए नहीं आएगा, जैसे वे अमेरिका की मदद के लिए नहीं आए। अपने बयान में उन्होंने यह भी कहा कि ईरान काफी हद तक कमजोर हो चुका है और सबसे मुश्किल काम पहले ही पूरा हो गया है। अब बाकी देश खुद जाकर अपना तेल ले सकते हैं।

अंगोला से एलपीजी खरीदने की तैयारी में भारतीय कंपनियां, होर्मुज से नहीं गुजरना होगा: ईरान जंग की वजह से भारत में आई गैस की कमी से निपटने के लिए सरकारी तेल और गैस कंपनियां अब नए देशों से रसोई गैस खरीदने का ऑप्शन तलाश रही है। इसी वजह से इंडियन ऑयल, भारत पेट्रोलियम, हिंदुस्तान पेट्रोलियम और गेल जैसी कंपनियां अफ्रीकी देश अंगोला की सरकारी कंपनी सोनानगोल से एलपीजी खरीदने पर बातचीत कर रही हैं।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, ये कंपनियां सोनानगोल के साथ लंबे समय का समझौता करने पर विचार कर रही हैं। हालांकि, बातचीत अभी शुरुआती दौर में है और सरकार स्तर पर भी चर्चा चल रही है। दरअसल, भारत की 92% एलपीजी खाड़ी देशों से आती है। भारत सरकार इस निर्भरता घटाना चाहती है।

अमेरिका ने ईरान में हथियार डिपो पर एयरस्ट्राइक की

अमेरिका ने ईरान के इस्फहान शहर में एक बड़े हथियार डिपो पर एयरस्ट्राइक की है। वॉल स्ट्रीट जर्नल रिपोर्ट के मुताबिक, यह हमला सोमवार रात को किया गया। इसके लिए 2000 पाउंड के बंकर-बस्टर बमों का इस्तेमाल हुआ। रिपोर्ट में अमेरिकी अधिकारी के हवाले से कहा गया है कि इस डिपो में बड़ी मात्रा में हथियार और सैन्य सामग्री रखी गई थी, जिसे निशाना बनाया गया। बंकर-बस्टर बमों का इस्तेमाल मजबूत और भूमिगत ठिकानों को तबाह करने के लिए किया जाता है। हमले के बाद डिपो में रखे हथियारों में विस्फोट होने से कई धमाके हुए और इलाके में आग के बड़े गुबार उठे। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने भी सोशल मीडिया पर धमाकों का एक वीडियो शेयर किया है।

न्यूज ब्रीफ

इंडिगो ने विलियम वॉल्श को नया सीईओ बनाया

नईदिल्ली। देश की सबसे बड़ी एयरलाइन कंपनी इंडिगो ने विलियम वॉल्श को नया ष्टश्वह्र बनाने का ऐलान किया है। वह अभी इंटरनेशनल एयर ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन के डायरेक्टर जनरल हैं और जुलाई के बाद अगस्त तक इंडिगो जॉइन कर सकते हैं। यह फैसला पिछले ष्टश्वह्र पीटर एल्बर्स के इस्तीफे के कुछ ही हफ्तों बाद लिया गया है। वॉल्श पहले ब्रिटिश एयरवेज और आईएजी के सीईओ भी रह चुके हैं। डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन की ओर से एविएशन नियमों में बदलाव चलते दिसंबर के पहले हफ्ते में इंडिगो में क्रू मेंबर्स की भारी कमी हो गई थी। इसके कारण 1 से 10 दिसंबर के बीच इंडिगो की 5000 से ज्यादा फ्लाइट कैंसिल हुई थीं।

मुंबई के होटल में ब्रिटिश नागरिक का शव मिला

मुंबई। मुंबई के ट्राइडेंट होटल में आईपीएल मैचों के लिए बीसीसीआई के साथ काम कर रहे एक ब्रिटिश नागरिक का शव उनके कमरे में मिला। मृतक की पहचान इयान विलियम्स लैंगफोर्ड के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, उनकी उम्र 76 साल थी। वे आईपीएल मैच कवरेज के सिलसिले में 24 मार्च से ट्राइडेंट होटल में ठहरे हुए थे। 29 मार्च को मैच के बाद इयान अपने होटल के कमरे में लौटे थे। अगले दिन, 30 मार्च को जब रिसेप्शन से उनके कमरे में कॉल किया गया, तो कोई जवाब नहीं मिला। इसके बाद होटल स्टाफ ने मास्टर चाबी की मदद से दरवाजा खोला गया, तो इयान विलियम्स फर्श पर पड़े मिले।

सोनिया गांधी 7 दिन बाद अस्पताल से डिस्चार्ज

नईदिल्ली। पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी मंगलवार को 7 दिन बाद अस्पताल से डिस्चार्ज हुईं। उन्हें 24 मार्च की रात सर गंगाराम अस्पताल में बुखार और इन्फेक्शन के कारण भर्ती कराया गया था। इलाज के बाद उनकी हालत में सुधार हुआ है। अस्पताल के मुताबिक, उन्हें सिस्टमिक इन्फेक्शन के लिए एंटीबायोटिक दवाएं दी गईं।

राष्ट्रबाण

अगर आपको नहीं मिल रहा है आपका लोकप्रिय अखबार राष्ट्रबाण तो आज ही अपने हॉकर से बोलिए या हमे कॉल कीजिए

सिर्फ 100 रुपए महीना

संपर्क : 7000427433

कोलकाता में ईसी ऑफिस के बाहर भाजपा-टीएमसी कार्यकर्ताओं में झड़प

ममता का आरोप- भाजपा ने बंगाल में अवैध वोटरों के नाम जोड़ने की कोशिश की

राष्ट्रबाण नईदिल्ली | एजेंसी rashtrabaan.in

कोलकाता में चुनाव आयोग ऑफिस (ईसीओ) के बाहर मंगलवार को भाजपा और टीएमसी कार्यकर्ताओं के बीच झड़प हुई। पुलिस के अनुसार, टीएमसी समर्थित बूथ लेवल अधिकारियों का एक ग्रुप वोटर लिस्ट में हेरफेर के खिलाफ प्रदर्शन कर रहा था। इस दौरान उन्होंने सुरक्षाबलों पर पथराव किया। इससे वहां खड़े वाहनों को भी नुकसान पहुंचा। बाद में भाजपा के कार्यकर्ता भी वहां झंडा लेकर पहुंच गए। इसके बाद टीएमसी प्रदर्शनकारियों की पुलिस और भाजपा कार्यकर्ताओं से झड़प हो गई। पुलिस ने बताया कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए हल्का बल का प्रयोग किया गया।

इधर बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि बीजेपी बिहार, उत्तर प्रदेश के अवैध वोटरों को बंगाल के वोटर लिस्ट में शामिल करने की कोशिश कर रही है। ममता ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा- भाजपा के एजेंटों को बंगाल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी के ऑफिस में हजारों फर्जी फॉर्म 6 आवेदन जमा करते हुए रंगे हाथों पकड़ा गया है। यह वोटर हाइजैकिंग की कोशिश है।

बेंगलुरु में इंजीनियर कपल ने सुसाइड किया

बेंगलुरु। बेंगलुरु के कोथनूर इलाके के अपार्टमेंट में एक इंजीनियर कपल के सुसाइड का मामला सामने आया है। पहले पति का शव फ्लैट के बंद कमरे में मिला। कई बार दरवाजा खटखटाने के बावजूद कोई जवाब नहीं मिला तो पत्नी ने सिक्योरिटी और पड़ोसियों को बुलाया। दरवाजा तोड़ने पर पति का शव फंदे से लटका मिला। इसके कुछ ही मिनट बाद पत्नी फ्लैट से बाहर निकलीं और उसी अपार्टमेंट की 17वीं मंजिल से कूदकर जान दे दी। मृतकों की पहचान तेलंगाना के सिद्दीपेट निवासी भानु चंदर रेड्डी कुंटा (32) और उनकी पत्नी शाजिया (31) के रूप में हुई है।

भारत समेत दुनियाभर में इंटरनेट ठप होने का खतरा

जंग से होर्मुज में बिछीं केबल्स को नुकसान की आशंका; समुद्र में 97% ग्लोबल डेटा

राष्ट्रबाण नईदिल्ली | एजेंसी rashtrabaan.in

अमेरिका-इजराइल और ईरान जंग के चलते स्ट्रेट ऑफ होर्मुज प्रभावित होने से दुनियाभर में एनर्जी क्राइसिस के बाद अब इंटरनेट ठप होने का खतरा है। इसकी वजह यह है कि होर्मुज रूट से न केवल दुनिया का 20% कच्चा तेल और 25% रुहृत्र गुजरती है, बल्कि इस रास्ते के नीचे इंटरनेट केबल्स भी बिछीं हैं।

अगर इस क्षेत्र में तनाव बढ़ता है या केबल्स को नुकसान पहुंचता है, तो भारत समेत पूरी दुनिया में इंटरनेट की स्पीड स्लो हो सकती है। एक्सपर्ट्स का मानना है कि यह इलाका सिर्फ एनर्जी चोकपॉइंट नहीं, बल्कि एक डिजिटल चोकपॉइंट भी है। भारत की डिजिटल इकोनॉमी काफी हद तक इन समुद्री रूट्स पर निर्भर है। भारत का ज्यादातर इंटरनेशनल इंटरनेट बैंडविड्थ अरब सागर और खाड़ी क्षेत्र से होकर आता है।

समुद्र के नीचे से गुजरता है 97% ग्लोबल डेटा

अक्सर लोगों को लगता है कि इंटरनेट सैटेलाइट के जरिए चलता है, लेकिन हकीकत अलग है। दुनिया का करीब 95 से 97% डेटा फाइबर ऑप्टिक केबल्स के जरिए ट्रांसफर होता है। ये केबल्स समुद्र के नीचे बिछी होती हैं। भारत को यूरोप, अफ्रीका और पश्चिम एशिया से जोड़ने वाली मुख्य केबल्स इसी रूट के पास से गुजरती हैं। इसमें एसईए-एमई-डब्ल्यूई, एएई-1 और ईआईजी जैसे बड़े केबल सिस्टम शामिल हैं।

मोदी बोले- कांग्रेस अफवाह फैला रही

पेट्रोल पंपों पर भीड़ जुटाकर व्यवस्था बिगाड़ने की साजिश, देश में स्थिति कंट्रोल में है

राष्ट्रबाण अहमदाबाद | एजेंसी rashtrabaan.in

पीएम नरेंद्र मोदी ने गुजरात के वाव-थराड में 20 हजार करोड़ रुपए के प्रोजेक्ट्स का शिलान्यास और उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि ऊर्जा जरूरतों की दिक्कत पूरी दुनिया में बढ़ गई है। ऐसे संकट में भी भारत ने हालात को नियंत्रण में बनाए रखा है।

मोदी ने कहा कि मुश्किल समय में भी कांग्रेस जनता को भड़काने और अफवाह फैलाने में लगी है। उनका आरोप है कि कांग्रेस सियासी लाभ के लिए हालात बिगाड़ने और पेट्रोल पंपों पर भीड़ जुटाकर अव्यवस्था फैलाने की कोशिश कर रही है।

इससे पहले उन्होंने साणंद में केयन्स सेमीकॉन के आउटसोर्स्ड सेमीकंडक्टर असेंबली टेस्ट का और गांधीनगर में सम्राट सम्प्रति म्यूजियम का उद्घाटन किया। यहां पीएम ने कहा, 'हमने कोरोना के समय ही तय कर लिया था कि भारत सेमीकंडक्टर सेक्टर का नया हब बनेगा।'

पीएम मोदी उद्घाटन के बाद प्लांट देखने पहुंचे। इंजीनियर्स से बातचीत की। आज से केयन्स सेमीकंडक्टर प्लांट में प्रोफेशनल प्रोडक्शन शुरू हो गया। पहला प्लांट भी फरवरी 2026 में साणंद में ही शुरू हुआ था।

टैक्स बचाने के लिए आज आखिरी दिन, 4 जरूरी काम निपटाएं, 1 अप्रैल से बदलेंगे 10 नियम

टोल प्लाजा पर कल से नगद भुगतान नहीं होगा

राष्ट्रबाण नईदिल्ली | एजेंसी rashtrabaan.in

कल यानी 1 अप्रैल से देश के सभी टोल प्लाजा पर नगद भुगतान बंद हो जाएगा। वाहन चालक सिर्फ फास्टैग या यूपीआई पेमेंट के जरिए ही टोल टैक्स चुका सकेंगे।

इसके अलावा, आज रात 12 बजे के बाद देश में टैक्स और बैंकिंग से जुड़े 3 बड़े कामों की डेडलाइन खत्म हो रही है। कल से टैक्स, रेलवे और बाजार से जुड़े 10 नियम भी बदल जाएंगे।

सरकारी स्कीम्स एक्टिव रखें: पीपीएफ, एनपीएस और सुकन्या में डालें मिनिमम बैलेंस पब्लिक प्रोविडेंट फंड, नेशनल पेंशन स्कीम (एनपीएस) या सुकन्या समृद्धि योजना को चालू रखने के लिए हर साल 250 से 500 तक न्यूनतम राशि जमा करना अनिवार्य है। अगर खाता बंद हो गया तो चालू कराने के लिए पेनाल्टी लगेगी और बैंक के चक्कर काटने होंगे।

टोल प्लाजा पर कल से नकद भुगतान बंद

अगर आपके पास गाड़ी है तो आज ही अपनी गाड़ी में फास्टैग अकाउंट एक्टिव कर लें। फास्टैग का उपयोग नहीं करते हैं, तो सुनिश्चित करें।

पुरानी टैक्स रिजीम में सेविंग का मौका: 80सी और 80डी के तहत निवेश करें

पुरानी टैक्स रिजीम में टैक्स बचाने के लिए निवेश करने का कल आखिरी दिन है। सेक्शन 80सी के तहत 1.5 लाख तक की छूट पाने के लिए आप पीपीएफ, लाइफ इंश्योरेंस में निवेश कर सकते हैं। इसके अलावा, 80डी के तहत हेल्थ इंश्योरेंस प्रीमियम और मेडिकल खर्चों पर 1 लाख तक की छूट मिलती है। 1 अप्रैल या उसके बाद किया गया निवेश अगले साल के खाते में गिना जाएगा।

सैलरी क्लास के लिए जरूरी

अगर आप नौकरीपेशा हैं, तो आपको अपने ऑफिस में इन्वेस्टमेंट प्रूफ जमा करने होंगे। इसमें घर के किराए की रसीदें, बीमा प्रीमियम की रसीद, होम लोन के ब्याज का सर्टिफिकेट शामिल हैं। अगर आप ये डॉक्यूमेंट्स समय पर नहीं देते हैं, तो कंपनी आपकी आखिरी सैलरी से ज्यादा टीडीएस काट लेगी। इसे वापस पाने के लिए इनकम टैक्स रिटर्न भरने तक का इंतजार करना होगा।

राष्ट्रबाण
सिवनी, बुधवार 1 अप्रैल 2026

बालाघाट राष्ट्रबाण

● बैहर ● बिरसा ● कटंगी ● तिरोड़ी ● कटंगी ● खैरलांजी ● किरनापुर ● लालबर्रा ● लांजी ● परसवाड़ा ● वारासिवनी

अवैध रूप से संचालित पैथोलॉजी लैब पर कार्रवाई

मौली पेथो-लेब के संचालक को कारण बताओ नोटिस जारी

बालाघाट| संवाददाता
rashtrabaan.in

जिले में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता एवं वैधानिक व्यवस्थाओं के पालन को सुनिश्चित करने के लिए प्रशासन लगातार सख्ती बरत रहा है। इसी कड़ी में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. परेश उपलप द्वारा मौली पेथो-लेब के संचालक श्री चंद्रशेखर पटले को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है कि क्यों न उनके विरुद्ध दंडात्मक एवं वैधानिक कार्यवाही की जाए। चंद्रशेखर पटले को 07 दिनों के भीतर समक्ष में उपस्थित होकर अपना पक्ष प्रस्तुत करें। प्राप्त जानकारी के अनुसार 18 मार्च 2026 को शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र सरेखा के प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ. निषांत नंदा गौली के नेतृत्व में गठित निरीक्षण दल ने बालाघाट हॉस्पिटल लिमिटेड परिसर स्थित मौली पेथो-लेब का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कई गंभीर अनियमितताएं पाई गईं।

जांच में सामने आया कि लैब का संचालन बिना वैध पंजीयन एवं अनुज्ञप्ति के किया जा रहा था। साथ ही, अन्य क्लीनिक के पंजीयन प्रमाण-पत्र एवं लाइसेंस का अवैध उपयोग किया जा रहा था। निरीक्षण के दौरान लैब में उपलब्ध रिपोर्ट्स पर पैथोलॉजिस्ट डॉ. मोनिका लिल्हारे के स्कैन किए हुए हस्ताक्षर पाए गए, जबकि उनकी नियमित उपस्थिति नहीं थी। निरीक्षण दल को यह भी जानकारी मिली कि लैब में कार्यरत कर्मचारियों द्वारा ही जांच कर रिपोर्ट तैयार की जाती थी और डॉक्टर के हस्ताक्षरयुक्त सील का उपयोग किया जाता था। इसके अलावा बायो-मेडिकल वेस्ट प्रबंधन के लिए आवश्यक पंजीयन एवं अधिकृत संस्था से अनुबंध भी उपलब्ध नहीं पाया गया। जांच के दौरान यह भी स्पष्ट हुआ कि लैब संचालक श्री चंद्रशेखर पटले निरीक्षण के समय उपस्थित नहीं थे। वहीं, हॉस्पिटल परिसर में किराये पर संचालित इस लैब के अनुबंध का नवीनीकरण संबंधी दस्तावेज भी प्रस्तुत नहीं किए गए। इन सभी तथ्यों के आधार पर संबंधित संचालक के विरुद्ध मध्यप्रदेश नर्सिंग होम एक्ट 1973 के प्रावधानों के उल्लंघन का मामला बनता पाया गया है। इसी परिप्रेक्ष्य में उन्हें 7 दिवस के भीतर अपना पक्ष प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। निर्धारित समयावधि में संतोषजनक जवाब प्रस्तुत नहीं करने पर नियमानुसार दण्डात्मक कार्रवाई की जाएगी। स्वास्थ्य विभाग ने स्पष्ट किया है कि जिले में अवैध रूप से संचालित स्वास्थ्य संस्थानों के विरुद्ध आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद एवं राष्ट्रीय बजरंग दल के महाकौशल प्रांत बैठक संपन्न

संगठन की आगामी कार्ययोजना पर मंथन

नैनपुर| संवाददाता
rashtrabaan.in

अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद एवं राष्ट्रीय बजरंग दल के महाकौशल प्रांत की महत्वपूर्ण बैठक विजय नगर स्थित कचनार क्लब में आयोजित की गई, बैठक में संगठन के आगामी लक्ष्यों और समाज सेवा से जुड़े विभिन्न प्रकल्पों को धरातल पर उतरने की रणनीति पर विस्तार से विचार -विमर्श किया गया। बैठक में हिंदू हेल्थ लाइन के राष्ट्रीय मंत्री डॉ. एल.बी. सिंह चंदेल (बेटू भैया) का विशेष मार्गदर्शन मिला।

प्रांत बैठक में बड़े दायित्वो पर जताया भरोसा

जबलपुर में बजरंग दल की प्रांत बैठक में महत्वपूर्ण निर्णय श्री चंद्रजीत सिंह [पप्पू] एवं विपिन अवधवाल बने अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद नगर अध्यक्ष वा राष्ट्रीय बजरंग दल जिला कार्यकारिणी अध्यक्ष कार्यसेवकों में हर्ष की लहर दो बड़े दायित्वो की मिल रही ढेर सारी शुभकामनाएं। उन्हें कार्यकर्ताओं को एकजुट रख हिंदू ही आगे संकल्प को लेकर हिंदू

समाज की समृद्धि, सुरक्षा, सम्मान और स्वास्थ्य के क्षेत्र में समर्पित भाव से कार्य करने के लिए बड़ी जिम्मेदारी दी गई है, वहीं दूसरी ओर संगठन ने बड़े स्तर पर सामाजिक सहभागिता बढ़ाने के लिए 1 लाख साप्ताहिक हनुमान चालीसा केंद्र स्थापित करने और एक करोड़ घरों से %एक मुट्ठी अनाज% एकत्र कर जरूरतमंदों तक पहुंचाने का लक्ष्य तय किया। बैठक में एक लाख मुफ्त मेडिकल कैंप आयोजित करने, एक करोड़ लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण (बीपी, शुगर, हीमोग्लोबिन,मोटापा,) करने और 30 हजार डॉक्टरो को प्रतिदिन एक मरीज का निःशुल्क उपचार करने के लिए जोड़ने की योजना पर चर्चा हुई। इसके साथ ही जनसंख्या निरंतरण कानून की आवश्यकता, महिला सुरक्षा प्रशिक्षण और राष्ट्र को आतंक मुक्त बनाने जैसे विषयों पर भी विचार-विमर्श किया गया,

बैठक में महाकौशल प्रांत अध्यक्ष अभिषेक मालू, हिंदू हेल्थलाइन राष्टीय मंत्री डॉ.एल.बी. सिंह चंदेल (बेटू भैया), प्रांत महामंत्री डॉ. अशोक सोनी, प्रांत कार्यकारी अध्यक्ष एडवोकेट प्रीति धनधरिया, प्रांत मंत्री अर्पित ठाकुर सहित 23 जिलों के पदाधिकारी और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत सिंगबाग नाले में किया गया बोरी बंधान

भू-जल संरक्षण को मिलेगा बढ़ावा

बालाघाट| संवाददाता
rashtrabaan.in

जल संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जिले में संचालित जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत विभिन्न गतिविधियां निरंतर जारी हैं। इसी क्रम में उत्तर वनमंडल बालाघाट के बैहर क्षेत्र अंतर्गत सिंगबाग में ग्रामीणों की सहभागिता से सिंगबाग नाले में बोरी बंधान का कार्य किया गया।

इस कार्य में स्थानीय ग्रामीणों ने सक्रिय रूप से भाग लेते हुए श्रमदान किया। नाले में बोरी बंधान किए जाने से वर्षा जल का संचयन होगा तथा जल का प्रवाह धीमा होकर भूमि में अधिक समय तक ठहर सकेगा, जिससे भू-जल स्तर के संरक्षण एवं संवर्धन में महत्वपूर्ण मदद मिलेगी।

वन मंडल अधिकारी श्री रमेश सिंह धुर्वे ने बताया कि इस प्रकार के कार्य जल स्रोतों को पुनर्जीवित करने के साथ-साथ आसपास के क्षेत्रों में नमी बनाए रखने में भी सहायक होते हैं। इससे आने वाले समय में कृषि एवं पेयजल की उपलब्धता पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जिले में सामुदायिक सहभागिता से जल संरक्षण के विभिन्न कार्य किए जा रहे हैं, जिससे पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ ग्रामीणों को भी दीर्घकालिक लाभ मिल रहा है।

चांदी के रथ पर निकली भगवान महावीर की शोभायात्रा

बालाघाट में 2625वां जन्मोत्सव मनाया; उडुपी ढोल और बैगा गेड़ी नृत्य रहे आकर्षण

बालाघाट| संवाददाता
rashtrabaan.in

जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी का 2625वां जन्म कल्याणक महोत्सव मंगलवार को बालाघाट में अत्यंत उत्साह और भक्तिभाव के साथ मनाया गया। इस अवसर पर सकल जैन समाज द्वारा शहर के प्रमुख मार्गों से भव्य शोभायात्रा निकाली, जिसमें चांदी के रथ और पालकी में विराजमान प्रभु के दर्शनों के लिए जनसैलाब उमड़ा।

उडुपी और बैगा लोक नृत्यों की प्रस्तुति दी

श्री पार्श्वनाथ भवन से प्रारंभ हुई यह शोभायात्रा राजघाट चौक, महावीर चौक और हनुमान चौक होते हुए दादाबाड़ी पहुंची। इस वर्ष की शोभायात्रा की खास बात उडुपी ढोल नृत्य और पारंपरिक बैगा गेड़ी नृत्य का प्रदर्शन रहा, जिसने राहगीरों का मन मोह लिया। समाज के महिला-पुरुष और बच्चे पारंपरिक वेशभूषा में भजनों और वाद्य यंत्रों की धुन पर थिरकते नजर आए।

स्वर्ण और रजत कलशों से हुआ प्रभु का अभिषेक

शोभायात्रा से पूर्व नगर के जैन मंदिरों में विशेष धार्मिक अनुष्ठान संपन्न हुए। भगवान महावीर का स्वर्ण और रजत कलशों से अभिषेक किया गया, जिसके बाद सामूहिक भक्तामर पाठ और विशेष पूजा-अर्चना की गई। महोत्सव समिति के अध्यक्ष आदित्य सेठिया ने भगवान महावीर के पंच सिद्धांतों सत्य, अहिंसा, अस्तेय, ब्रह्मचर्य और अपरिग्रह की प्रासंगिकता पर जोर देते हुए अहिंसा परमो धर्म का संदेश दिया।

चार दिवसीय महोत्सव का समापन

भगवान महावीर जन्म कल्याण महोत्सव समिति के तत्वावधान में आयोजित इस चार दिवसीय आयोजन में विभिन्न सामाजिक और सेवाभावी कार्य किए गए। 31 मार्च को निकली यह शोभायात्रा महोत्सव का मुख्य आकर्षण रही। आयोजन को सफल बनाने में समिति के सदस्यों के साथ-साथ नगर के गणमान्य नागरिकों ने भी सक्रिय सहभागिता निभाई।

1 अप्रैल से नए शैक्षणिक सत्र का शुभारंभ, प्रवेशोत्सव की तैयारियां पूरी

बालाघाट| संवाददाता
rashtrabaan.in

नवीन शैक्षणिक सत्र 2026-27 का शुभारंभ 01 अप्रैल 2026 से होने जा रहा है। इस अवसर पर जिले की सभी शासकीय एवं अशासकीय शालाओं में उत्साहपूर्वक प्रवेशोत्सव कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

सर्व शिक्षा अभियान के जिला परियोजना समन्वयक श्री जीपी बर्मन ने बताया कि जिला स्तरीय प्रवेशोत्सव कार्यक्रम का आयोजन 01 अप्रैल को प्रातः 10 बजे से सांदीपनि विद्यालय, बालाघाट में किया जाएगा। कार्यक्रम को भव्य एवं आकर्षक बनाने के लिए व्यापक तैयारियां की गई हैं। इस दौरान नवप्रवेशी विद्यार्थियों का तिलक लगाकर, पुष्प वर्षा एवं स्वागत गीतों के साथ अभिनंदन किया जाएगा, साथ ही उन्हें पाठ्यपुस्तकों का वितरण भी किया जाएगा।

जिला स्तरीय कार्यक्रम में सांसद, विधायक सहित अन्य जनप्रतिनिधियों एवं प्रशासनिक अधिकारियों को आमंत्रित किया गया है। उनके मार्गदर्शन में विद्यार्थियों को शिक्षा के महत्व के प्रति प्रेरित किया जाएगा।

शिक्षा विभाग द्वारा सभी विद्यालयों को निर्देशित किया गया है कि वे प्रवेशोत्सव को उत्सव के रूप में मनाते हुए अधिक से अधिक बच्चों का नामांकन सुनिश्चित करें तथा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाएं।

प्रवेशोत्सव के माध्यम से शासन का उद्देश्य प्रत्येक बच्चे को स्कूल से जोड़ना और शिक्षा के प्रति सकारात्मक वातावरण तैयार करना है।

जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत वारासिवनी नगर में सार्वजनिक कुओं का निरीक्षण

साफ-सफाई एवं जीर्णोद्धार के दिए मौके पर निर्देश

बालाघाट| संवाददाता
rashtrabaan.in

वारासिवनी नगर में जल संरक्षण को बढ़ावा देने हेतु शासन के निर्देशानुसार जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत स्वच्छ कुआं ङ्क सुरक्षित जल, यही है स्वस्थ जीवन का संबल भावना को लेकर विशेष गतिविधियाँ संचालित की जा रही हैं। यह अभियान 19 मार्च (प्रतिपदा) से प्रारंभ होकर 30 जून 2026 तक जारी रहेगा।

इसी क्रम में मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्री सूर्यप्रकाश उके द्वारा 31 मार्च को वारासिवनी नगर क्षेत्र के विभिन्न सार्वजनिक कुओं का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान कुओं का चिन्हांकन करते हुए उनकी साफ-सफाई का कार्य प्रारंभ कराया गया तथा आवश्यकतानुसार मरम्मत एवं जीर्णोद्धार के निर्देश दिए गए।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्री उसके ने बताया कि अभियान के अंतर्गत नवीन जल संग्रहण संरचनाओं का निर्माण, भूजल संवर्धन, पूर्व से मौजूद जल स्रोतों की सफाई एवं नवीनीकरण, जल गुणवत्ता परीक्षण, जल वितरण प्रणाली की सफाई, रेन वाटर हार्वेस्टिंग प्रणाली की स्थापना, बंद पड़े हैंडपंपों की मरम्मत, सोकपिट निर्माण तथा पाइपलाइन लीकेज सुधार जैसे कार्य किए जा रहे हैं।

नगर के सभी सार्वजनिक कुओं की साफ-सफाई, रंगाई-पुताई एवं आवश्यक मरम्मत कार्य कराए जाएंगे, जिससे गर्मी के मौसम में जल स्तर बना रहे और आम नागरिकों को स्वच्छ एवं पर्याप्त जल उपलब्ध हो सके। अभियान का मुख्य उद्देश्य पारंपरिक जल स्रोतों का संरक्षण, जल गुणवत्ता में सुधार तथा आमजन को स्वच्छ जल उपलब्ध कराना है।

अभियान के दौरान कुओं में जमा कचरा, गाद एवं अपशिष्ट पदार्थों को हटाकर गहन सफाई की जा रही है। साथ ही आसपास के क्षेत्रों में साफ-सफाई, कीटाणुनाशक छिड़काव एवं जल संरक्षण के प्रति जनजागरूकता गतिविधियाँ भी संचालित की जा रही हैं।

इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष ने कहा कि जल स्रोतों का संरक्षण सभी की प्राथमिक जिम्मेदारी है। इस अभियान के माध्यम से पारंपरिक जल स्रोतों को पुनर्जीवित कर स्वच्छ एवं सुरक्षित जल की उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी ने नागरिकों से अपील की कि वे जल स्रोतों को स्वच्छ बनाए रखने में सहयोग करें तथा कुओं में कचरा न डालें। उन्होंने यह भी बताया कि अभियान निरंतर जारी रहेगा और नगर के अन्य जल स्रोतों को भी चरणबद्ध तरीके से शामिल किया जाएगा।

अभियान में नगर पालिका के अधिकारी-कर्मचारी, स्वच्छता मित्र एवं स्थानीय नागरिकों ने सक्रिय भागीदारी निभाई, जिससे यह पहल सफल रही।

स्व-सहायता समूह बना जीविका का सहारा

भंडारपुर की महिलाएं बनीं 'लखपति दीदी'

बालाघाट| संवाददाता
rashtrabaan.in

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के 'लखपति दीदी' बनाने के संकल्प को साकार करते हुए, बालाघाट जिले के बिरसा विकासखंड अंतर्गत ग्राम भंडारपुर की महिलाओं ने आत्मनिर्भरता की मिसाल पेश की है। यहां के ज्योति आजीविका स्व-सहायता समूह की दीदियों ने समूह के माध्यम से अपनी आर्थिक स्थिति में उल्लेखनीय सुधार करते हुए आज सम्मानजनक जीवन की दिशा में मजबूत कदम बढ़ाए हैं।

समूह की महिलाओं ने बताया कि ज्योति आजीविका स्व-सहायता समूह का गठन 18 सितंबर 2018 को 11 सदस्यों के साथ किया गया था। प्रारंभिक दौर में सभी सदस्य आर्थिक रूप से कमजोर थीं और मजदूरी पर निर्भर जीवन यापन करती थीं। कच्चे मकानों में रहने के कारण वे अपने बच्चों को बेहतर शिक्षा भी नहीं दिला पा रही थीं। आजीविका मिशन से जुड़ने के बाद समूह को सबसे पहले चक्रीय निधि प्राप्त हुई। इसके पश्चात समूह की ग्रेडिंग के आधार पर उन्हें प्रथम सीसीएल (कैश क्रेडिट लिमिट) के रूप में 1.50 लाख रुपये की राशि मिली, जिससे दो महिलाओं ने सब्जी व्यवसाय शुरू किया। धीरे-धीरे समूह की आय में वृद्धि होने लगी। वर्ष 2022 में समूह की सक्रियता और कार्यक्षमता को देखते हुए मलाजखंड के छात्रावास परिसर में मेस संचालन का कार्य सौंपा गया। इस कार्य से समूह की महिलाओं की आय में उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई और अधिकांश सदस्य 'लखपति दीदी' बनने की दिशा में अग्रसर हो गईं। इसके बाद समूह को सीसीएल की तृतीय किश्त के रूप में 6 लाख रुपये की राशि प्राप्त हुई, जिसे समूह की पांच महिलाओं–कुसुमलता मानेश्वर, धनेश्वरी, चित्ररेखा, अमरवती और उर्मिला–ने कृषि एवं सब्जी उत्पादन में निवेश किया। वर्तमान में ये महिलाएं सब्जी व्यवसाय से प्रति माह लगभग 10 हजार रुपये की आय अर्जित कर रही हैं। वहीं, मेस संचालन से जुड़ी पांच महिलाएं प्रतिमाह लगभग 50 हजार रुपये तक की आय प्राप्त कर रही हैं। समूह की महिलाओं का कहना है कि आज वे आर्थिक तंगी से मुक्त होकर आत्मनिर्भर जीवन जी रही हैं। आजीविका मिशन के माध्यम से मिले सहयोग ने उनके जीवन में व्यापक बदलाव लाया है। उन्होंने शासन की योजनाओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि अब वे न केवल अपने परिवार का भरण-पोषण कर रही हैं, बल्कि समाज में एक नई पहचान भी बना रही हैं।

‘विकसित भारत का सपना देखने में 66 साल लगे’

राज्यसभा के उपसभापति के भाषण पर कांग्रेस एमएलए बोले- उनका जन्म ही 2014 के बाद हुआ

भोपाल | संवाददाता
rashtrabaan.in

भोपाल में मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान के युवा विधायकों के सम्मेलन का समापन हुआ। कार्यक्रम में राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश नारायण सिंह बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। उन्होंने मध्य प्रदेश विधानसभा की त्रैमासिक पत्रिका का विमोचन किया। इस बीच उन्होंने कहा कि विकसित भारत का सपना देखने में 66 साल लगा दिए गए। कई देशों में आज लॉकडाउन जैसे हालात लेकिन भारत आराम से चल रहा है। आज भारत ने लोकतांत्रिक व्यवस्था में दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में शामिल होकर यह साबित कर दिया है कि लोकतंत्र में भी तेज विकास संभव है। उन्होंने कहा कि भारत ने यह भी सिद्ध किया है कि सही नीतियों और संकल्प के साथ देश तेजी से तरक्की कर सकता है। इधर, हरिवंश नारायण सिंह के भाषण पर कांग्रेस विधायक महेश परमार ने कहा कि उनके भाषण से ऐसा लग रहा है मानो उनका जन्म ही 2014 के बाद हुआ हो। उन्हें ऐसे युवा विधायक सम्मेलन में इस तरह का भाषण नहीं देना चाहिए था।

विधानसभा अध्यक्ष बोले- छत्तीसगढ़ अलग हुआ तो आंखों में आंसू थे

वहीं, विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने बताया कि दो दिनों तक चले इस सम्मेलन में अलग-अलग विचारधाराओं के विधायकों ने अपनी सीमाओं से ऊपर उठकर विषय के अंतर्गत अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि सम्मेलन में टेक्नोलॉजी के उपयोग, स्वच्छता कार्यक्रमों को आगे बढ़ाने, सोलर एनर्जी को बढ़ावा देने, शिक्षा के विस्तार के साथ उसकी गुणवत्ता सुधारने, व आधारभूत संरचना के विकास जैसे मुद्दों पर चर्चा हुई। तोमर ने कहा कि, मुझे वह क्षण आज भी याद है जब छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश विधानसभा से अलग हुआ। उस दिन मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के सभी विधायकों की आंखों में आंसुओं के अलावा कुछ नहीं था। इसीलिए आज भी दोनों राज्यों के बीच वही आत्मीयता बनी हुई है।

विधानसभाएं तेजी से डिजिटल हो रही, जनप्रतिनिधियों के लिए नए अवसर

राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश नारायण सिंह ने कहा कि जब वे सांसद बनकर आए थे, तब कागजों के पुलिंदे आते थे और उन्हें घर में रखने की जगह भी नहीं होती थी। पढ़ने का भी पूरा अवसर नहीं मिल पाता था। आज वही संसद पूरी तरह पेपरलेस हो चुकी है और अब आगे एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) के उपयोग पर भी काम चल रहा है। विधानसभाएं भी तेजी से डिजिटल हो रही हैं, जिससे जनप्रतिनिधियों के लिए कई नए अवसर पैदा हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि टेक्नोलॉजी अवसर प्रदान करती है, खासतौर पर एआई। इसे लेकर दो तरह की विचारधाराएं हैं—एक ओर इसे चुनौती माना जाता है, तो दूसरी ओर यह बड़े अवसर भी देता है। जिन राज्यों या देशों में विकास की गति धीमी रही है, उनके लिए टेक्नोलॉजी आगे बढ़ने का मौका देती है। उन्होंने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के माध्यम से तेज़ी से प्रगति संभव है, बशर्ते उसका सही उपयोग किया जाए। उन्होंने एक प्रसिद्ध अर्थशास्त्री रघुराम जी. राजन का उल्लेख करते हुए कहा कि उनकी किताब में बताया गया है कि क्यों कुछ राज्य तेजी से विकसित होते हैं, जबकि कुछ पीछे छूट जाते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसी पुस्तकों से हमें यह समझने में मदद मिलती है कि हमारी जीडीपी कैसे बढ़ सकती है और आर्थिक विकास के लिए किन नीतियों की आवश्यकता है।

सीएम बोले- राजनीति में मर्यादा और अनुशासन जरूरी

मध्य प्रदेश विधानसभा में चल रहे युवा विधायक सम्मेलन में 3 राज्यों के करीब 50 स्न्मौजूद थे। सम्मेलन के पहले दिन इनको संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा- जनता के बीच बने रहने के लिए विनम्रता बनाए रखें। इलाके की अच्छाई के साथ कमजोरी को भी समझें। राजनीति में मर्यादा और अनुशासन जरूरी है। आज के दौर में दुनिया हमारी तरफ देख रही है कि भारत किस तरह 2047 के अमृत काल की तरफ बढ़ रहा है। वहीं, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने अपनी बात रखते हुए छात्र संघ चुनाव कराने की मांग रखी। उन्होंने कहा- हमारे यहां छात्र संघ चुनाव बंद हो गए। नेतृत्व की शुरुआत कॉलेज से होती है। कॉलेज के समय युवाओं के अंदर आग होती है सिस्टम से लड़ने की। वहां से शुरुआत होती है सोचविचार की और सिस्टम से लड़ने की। लोकतंत्र की जड़ें तभी मजबूत होंगी, जब इस देश में डेमोक्रेसी मजबूत रहेगी।

उज्जैन जाएंगे विधायक

युवा विधायक सम्मेलन का समापन होने के बाद विधायक उज्जैन में भगवान महाकाल के दर्शन करने जाएंगे। सोमवार को मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने इस सम्मेलन का उद्घाटन किया था। एमपी के विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर, राजस्थान के विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी, संसदीय कार्यमंत्री कैलाश विजयवर्गीय और नेता प्रतिपक्ष मौजूद थे।

भारत आज सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में शामिल

राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश नारायण सिंह ने कहा कि एक समय था जब दुनिया के अर्थशास्त्री, जिन्हें हम बहुत मानते थे- यह कहते थे कि भारत 2 से 3 प्रतिशत से अधिक विकास नहीं कर सकता। इसे ﬇हिंदू ग्रोथ रेट﬇ कहा जाता था। उस समय यह भी माना जाता था कि केवल अलग तरह की राजनीतिक व्यवस्थाओं वाले देश ही तेजी से आगे बढ़ सकते हैं। लेकिन आज भारत ने लोकतांत्रिक व्यवस्था में दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में शामिल होकर यह साबित कर दिया है कि लोकतंत्र में भी तेज विकास संभव है। उन्होंने कहा कि भारत ने यह भी सिद्ध किया है कि सही नीतियों और संकल्प के साथ देश तेजी से तरक्की कर सकता है। इसके पीछे एक उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी ने एक ऐसा प्लेटफॉर्म बनाया है, जहां बड़ी-बड़ी योजनाओं की मॉनिटरिंग होती है और उन्हें तेज़ गति से पूरा किया जाता है। देश अब इसी तरह की प्रभावी गवर्नेंस की दिशा में आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि विकास का केंद्र राज्य होते हैं, क्योंकि कानून-व्यवस्था, कृषि, स्वास्थ्य और शिक्षा जैसे विषय राज्यों के अधिकार क्षेत्र में आते हैं। इसलिए विकास की नींव राज्यों के पास ही होती है। उन्होंने के. कामराज का उदाहरण देते हुए कहा कि तमिलनाडु में उन्होंने विकास की मजबूत नींव रखी, जबकि वे औपचारिक रूप से अधिक शिक्षित नहीं थे। उन्होंने कहा कि 1995 में जब उन्हें अमेरिका जाने का अवसर मिला, तब भारत की पहचान एक गरीब देश या सपेरों के देश के रूप में की जाती थी। लेकिन नारायण मूर्ति जैसे लोगों ने यह साबित किया कि भारत प्रतिभाओं का देश है और अपनी तकदीर बदल सकता है। उन्होंने कहा कि आज देश में 2 लाख से अधिक स्टार्टअप काम कर रहे हैं। छोटे गांवों और कस्बों से निकलकर युवा अपने स्टार्टअप स्थापित कर रहे हैं। आने वाले समय में इन्हीं स्टार्टअप्स से नए नारायण मूर्ति निकलेंगे। अंत में उन्होंने कहा कि आप 10 सालों बाद की स्थिति की कल्पना कीजिए—बढ़ते मध्य प्रदेश की कल्पना कीजिए—तब समझ में आएगा कि यह बदलाव कितना बड़ा हो सकता है।

आज की अर्थव्यवस्था के विकास की मूल वजह ऊर्जा

राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश नारायण सिंह ने कहा कि आज की अर्थव्यवस्था के विकास की मूल वजह ऊर्जा है, और इसकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि आप यह भी कल्पना कीजिए कि दुनिया की सबसे अधिक आबादी (करीब 146 करोड़) वाला और क्षेत्रफल में सातवां बड़ा देश होने के बावजूद भारत में अर्थ मिनरल, पेट्रोलियम उत्पाद और कई प्राकृतिक संसाधन सीमित मात्रा में हैं, जिन्हें हमें बड़े पैमाने पर आयात करना पड़ता है। इसके बावजूद, उन्होंने कहा कि आज दुनिया के कई हिस्सों—नॉर्थ अमेरिका, यूरोप, वेस्ट एशिया और एशिया के अन्य देशों—में पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतें तेजी से बढ़ी हैं। कहीं बिजली कटौती हो रही है, तो कहीं लॉकडाउन जैसी स्थितियां बनी हैं। पूरी दुनिया एक तरह के ऊर्जा संकट से गुजर रही है। लेकिन इन परिस्थितियों के बीच भी भारत सुचारु रूप से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि पिछले एक सप्ताह में वे पुणे से लेकर झारखंड तक कई शहरों में गए, जहां सामान्य रूप से ट्रैफिक और गतिविधियां जारी हैं। यह भारत की क्षमता और संकट प्रबंधन का उदाहरण है। उन्होंने कहा कि यह संभव हुआ है बीते 10-11 वर्षों में किए गए प्रयासों के कारण। भारत बड़ी मात्रा में कच्चा तेल, गैस और उर्वरक जैसी आवश्यक वस्तुएं आयात करता है। अपनी जरूरत का लगभग 60त्न एलपीजी भी भारत बाहर से मंगाता है। उन्होंने बताया कि 2010-11 के बाद भारत ने ऊर्जा आयात के स्रोतों में विविधता (डायवर्सिफिकेशन) लाई। पहले एलपीजी जैसी जरूरतें जहां 27 देशों से पूरी होती थीं, वहीं अब यह बढ़कर 41 देशों से होने लगी हैं। इसके साथ ही भारत ने कच्चे तेल के भंडारण की क्षमता भी बढ़ाई है, जिससे आपातकालीन स्थितियों में देश की ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

भोपाल में करंट लगने से मजदूर की मौत

मार्बल घिसाई करते समय हादसा हुआ, मशीन में लगा था कटा हुआ तार

भोपाल | संवाददाता
rashtrabaan.in

भोपाल के कोहेफिजा इलाके में मार्बल की घिसाई करते समय एक मजदूर की करंट लगने से मौत हो गई। घटना मंगलवार दोपहर की है। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। पीएम के बाद पुलिस ने शव परिजनों को सौंप दिया है। सोनू वर्मा पुत्र पूरन सिंह वर्मा (25) मूलरूप से राजगढ़ का रहने वाला था। फिलहाल भोपाल की भानपुर मल्टी में किराए से रहता था। भोपाल में ही मार्बल घिसने वाली मशीन की आपरेटिंग का जॉब करता था। लालघाटी में उसकी साइट चल रही है।

मार्बल क्लिनिंग करते वक्त हादसा

मंगलवार की दोपहर को साइट पर मार्बल क्लिनिंग का काम कर रहा था। इसी दौरान उसे कटे हुए तार से करंट लग गया। इससे उसकी मौत हो गई। काफी देर तक जब मशीन चलने की आवाज नहीं आई तो साथी उसे चेक करने पहुंचा। जहां सोनू जमीन पर बेसुध हालत में मिला। तत्काल उसे अस्पताल पहुंचाया गया। जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

50 लाख श्रमिकों के लिए न्यूनतम वेतन की नई दरें

श्रम विभाग का फैसला, एक अप्रैल से उद्योगों और सरकारी विभागों में काम करने वालों को फायदा

भोपाल | संवाददाता
rashtrabaan.in

प्रदेश के सरकारी और निजी सेक्टर में काम करने वाले करीब 50 लाख श्रमिकों को एक अप्रैल से 9 रुपए प्रतिदिन के मान से बढ़ा हुई परिवर्तनशील महंगाई भत्ता दिया जाएगा। इससे उनके वेतन में वृद्धि होगी। श्रम विभाग ने नए वित्त वर्ष के साथ प्रदेश के श्रमिकों के लिए न्यूनतम वेतन दरों में बदलाव कर दिया है। 1 अप्रैल 2026 से 30 सितंबर 2026 तक लागू रहने वाली इन नई दरों में बदलाव में सरकारी क्षेत्रों के 10 लाख और निजी सेक्टर खासतौर पर उद्योगों में काम कने वाले करीब 40 लाख श्रमिकों को न्यूनतम वेतन अधिनियम, 1948 के अंतर्गत यह लाभ मिलेगा, इसमें परिवर्तनशील महंगाई भत्ता भी शामिल है। श्रमायुक्त ने यह बदलाव महंगाई सूचकांक के आधार पर किया है। इसमें जुलाई से दिसंबर 2025 के औसत सूचकांक में वृद्धि के कारण वेतन में बढ़ोतरी लागू की गई है। श्रमायुक्त तन्वी हुड्डा द्वारा जारी आदेश में नई न्यूनतम वेतन दरें प्रतिदिन श्रम के आधार पर तय की गई हैं जिसमें 67 सामान्य नियोजन में काम करने वाले श्रमिकों को 26 दिन के आधार पर न्यूनतम वेतन इस तरह दिया जाएगा। इन 67 कैटेगरी में काम करने वालों को इसी आधार पर आने वाले समय में वेतन मिलेगा।

भोपाल में 14 हजार से 11,000 पर आई गैस बुकिंग

अफसर बोले-अफवाह से लोगों ने एक्स्ट्रा सिलेंडर जमा किए; बैरागढ़ से 50 सिलेंडर जब्त

भोपाल | संवाददाता
rashtrabaan.in

मध्य प्रदेश में एलपीजी सिलेंडर को लेकर पैनिक जैसा माहौल अब सामान्य होने लगा है। भोपाल की बात करें तो यहां गैस सिलेंडर की बुकिंग 3 हजार तक घट गई है। पिछले दिनों हर रोज 14 हजार से ज्यादा बुकिंग हो रही थी, जो पिछले 2 दिन से 11 हजार हो गई है। फूड कंट्रोलर चंद्रभान सिंह जादौन ने बताया कि अफवाहों की वजह से लोगों ने अतिरिक्त सिलेंडर जमा कर लिए। अब कई एजेंसियों पर बुकिंग ही नहीं आ रही है। फूड कंट्रोलर जादौन ने बताया कि भोपाल की 3 बड़ी एजेंसियों पर ही बुकिंग ज्यादा आ रही है। बाकी में आम दिनों की तुलना से भी कम बुकिंग है। दूसरी ओर, पेंडिंग बुकिंग की संख्या भी कम हो रही है। यह आंकड़ा अब 35 हजार से भी कम ही है।

दो दिन पहले एजेंसियों पर भीड़ लगी थी

दो दिन पहले की बात करें तो भोपाल में 28 से 30 हजार तक बुकिंग हो गई, जबकि सप्लाई 22 हजार तक ही रही। इससे पेंडिंग बुकिंग का आंकड़ा 40 हजार तक पहुंच गया है। वहीं, घरों में सप्लाई भी 4 से 5 दिन में हो रही है।

बैरागढ़ में कार्रवाई, छापे में रखे मिले सिलेंडर

इधर, मंगलवार को खाद्य विभाग ने बैरागढ़ में एक जगह पर दबिश दी। जहां पर घरेलू गैस सिलेंडर रखे हुए थे। तब इनकी गिनती की गई तो यह करीब 50 निकले।

भोपाल में पहले से दोगुनी हो रही बुकिंग

अफसरों ने बताया कि भोपाल में शुरुआत से ही रसोई गैस को लेकर कोई दिक्कत नहीं है, लेकिन पिछले लोग अफवाह की वजह से पैनिक हो गए। इस कारण बुकिंग संख्या बढ़ गई। भोपाल में ही एजेंसियों के पास 5 से 6 दिन का स्टॉक है। भौंरी स्थित

भोपाल में घूरने की बात पर युवक को चाकू मारे

पेट और हाथ में तीन वार किए, युवक का हमीदिया अस्पताल में चल रहा इलाज

भोपाल | संवाददाता
rashtrabaan.in

भोपाल के रंभा नगर में सोमवार देर रात घूरने के विवाद में 6 लोगों ने मिलकर एक युवक की जमकर पिटाई की। उसके पेट और हाथ में चाकू से तीन वार किए गए। इससे युवक को गंभीर चोट आई है। हमीदिया अस्पताल में उसका इलाज चल रहा है। मामले में पुलिस ने हत्या के प्रयास का केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गौतम नगर पुलिस के मुताबिक गुलफाम पुत्र मोहम्मद जुबैर (31) रंभा नगर थाना गौतम नगर इलाके में रहता है। वह बागफरहत अफजा में लेडीज टेलर की दुकान चलाता है। रंभा नगर में साजिद मौलाना और शाहजाद मौलाना रहते हैं। रविवार की रात को साजिद के घर के करीब ही गुलफाम एक टॉन एन्ड टाउन में खड़ा था।

घर के करीब रोककर पीटा

साजिद ने उसे कहा कि तू घूरता क्यों है, इस बात का गुलफाम ने विरोध किया और दोनों के बीच बहस हो गई। सोमवार-मंगलवार की दरमियानी रात को गुलफाम घर जा रहा था। तभी साजिद और उसके बेटे ने दोबारा उसे घूरने की बात पर घर के करीब रोका और पीटना शुरू कर दिया। यह देखकर पड़ोस में रहने वाला साजिद का भाई शाहजाद उसका बेटा, साहिल बच्चा और बिलाल बच्चा ने भी उसे पीटा।

लहूलुहान हालत में छोड़कर भाग गए आरोपी

साहिल और बिलाल ने चाकू से गुलफाम पर वार किए, जिससे उसे गंभीर चोट आई, इसके बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। परिजनों ने घायल गुलफाम को अस्पताल पहुंचाया। जहां से पुलिस को सूचना दी गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

गैस सिलेंडर बुकिंग के नाम पर साइबर ठगी का जाल, भोपाल पुलिस की एडवायजरी जारी

भोपाल | संवाददाता
rashtrabaan.in

शहर में गैस सिलेंडर बुकिंग के नाम पर हो रही साइबर ठगी के मामलों को देखते हुए साइबर क्राइम ब्रांच ने एडवायजरी जारी कर नागरिकों को सतर्क रहने की अपील की है। पुलिस के मुताबिक ठग फर्जी कॉल, मैसेज, लिंक और एपीके फाइल के जरिए लोगों को निशाना बना रहे हैं और उनसे बैंकिंग जानकारी हासिल कर खातों से रकम उड़ा रहे हैं। एडवायजरी में स्पष्ट किया गया है कि गैस सिलेंडर की बुकिंग केवल अधिकृत वेबसाइट, आधिकारिक मोबाइल ऐप या ग्राहक सेवा नंबर के माध्यम से ही करें। किसी भी अनजान लिंक पर क्लिक करने से बचें और अनजान स्रोत से भेजी गई एपीके फाइल कभी डाउनलोड न करें, क्योंकि इससे मोबाइल हैक होने का खतरा रहता है। पुलिस ने यह भी चेतावनी दी है कि किसी भी कॉल या संदेश के माध्यम से हृ्रञ्जक्क बैंक डिटेल, पीआई पिन या पासवर्ड साझा न करें। ऐसे मामलों में ठग खुद को गैस एजेंसी का कर्मचारी बताकर भरोसा जीतने की कोशिश करते हैं। यदि किसी को संदिग्ध कॉल या मैसेज प्राप्त होता है, तो तुरंत अपनी गैस एजेंसी और साइबर क्राइम हेल्पलाइन पर सूचना दें। इसके अलावा मोबाइल में केवल भरोसेमंद ऐप ही इंस्टॉल करें और उन्हें हमेशा प्ले स्टोर या ऐप स्टोर से ही डाउनलोड करें। साइबर क्राइम ब्रांच ने नागरिकों से अपील की है कि जागरूक रहें और सुरक्षित रहें। किसी भी प्रकार की साइबर ठगी की शिकायत के लिए हेल्पलाइन नंबर 9479990636 या राष्ट्रीय नंबर 1930 पर संपर्क किया जा सकता है।

720 लोकेशन पर बढ़ जाएगी गाइड लाइन; आज 400 से ज्यादा रजिस्ट्री होने का अनुमान

भोपाल में कल से महंगी होगी प्रॉपर्टी...रजिस्ट्री ऑफिस में भीड़

छिंदवाड़ा | संवाददाता
rashtrabaan.in

राजधानी भोपाल में कल यानी एक अप्रैल से प्रॉपर्टी खरीदना महंगा हो जाएगा। कुल 2177 में से 740 लोकेशन पर प्रॉपर्टी के सरकारी रेट यानी कलेक्टर गाइड लाइन बढ़ जाएगी। नई गाइड लाइन लागू होने से पहले पुराने रेट पर ही रजिस्ट्री कराने वालों की मंगलवार को रजिस्ट्रार ऑफिस में भीड़ लगी हुई है। रजिस्ट्री कराने के लिए सुबह से ही लोग पहुंचे। आईएसबीटी, परी बाजार और बैरसिया के रजिस्ट्रार ऑफिस में भीड़ है। यहां सुबह से ही लोग रजिस्ट्री कराने के लिए पहुंच गए। अनुमान है कि रात तक 400 से अधिक रजिस्ट्री होंगी। सब रजिस्ट्रार आनंद पांडे ने बताया कि एक अप्रैल से नई बाजार गाइड लाइन लागू हो जाएंगी। दो दिन तक सर्वर पर नई गाइड लाइन अपलोड की जाएगी।

अवकाश के दिन भी खुले रहे ऑफिस

मार्च के आखिरी दिनों में भी रजिस्ट्रार ऑफिस खुले रखे गए। ताकि लोगों को प्रॉपर्टी की रजिस्ट्री कराने में कोई दिक्कत न हो। मंगलवार को भी सुबह से ही लोगों की भीड़ लगना शुरु हो गई। लोगों ने स्लॉट भी पहले से ही बुक करवा लिए थे। शुभ मुहूर्त में वे रजिस्ट्री कराने पहुंचे।

इन इलाकों में सबसे ज्यादा बढ़ेंगे रेट

जानकारी के अनुसार निर्मल सिटी, निशातपुरा रोड, मुर्गी बाजार, समर ग्रीन में 181त्न बढ़ोतरी होगी। वहीं, यशोदा नगर, भोपाल टॉकीज से सेफिया रोड, मालीपुरा, माया विहार, पाल विहार, रेत घाट से वीआईपी रोड, कबाड़खाना, गौतम नगर, पंचशील नगर, न्यू मार्केट, रोशनपुरा, सेवनिया गौंड, चौकी बरखेड़ी, एयरोसिटी परिसर, बेहटा, दामखेड़ा समेत में रेट बढ़ेंगे। इसके अलावा कोलार रोड, बंजारी, अकबरपुर, बावड़ियाकलां, मिसरोद, एयरपोर्ट, अयोध्या बायपास में भी गाइड लाइन बढ़ाने का प्रस्ताव है।

भौंरी क्षेत्र में 58 प्रतिशत कटौती का प्रस्ताव

एक ओर जहां सैकड़ों इलाकों में प्रॉपर्टी के रेट बढ़ाने का प्रस्ताव है। वहीं, दूसरी ओर भौंरी क्षेत्र में गाइड लाइन को 58 प्रतिशत तक कम करने का प्रस्ताव भी लाया जा रहा है। किसानों का कहना है कि जहां सरकार के बड़े प्रोजेक्ट हैं, वहां पर रेट घटाना समझ से बाहर है। भौंरी क्षेत्र की 3700 एकड़ में प्रदेश की पहली एआई एंड नॉलेज सिटी प्रस्तावित है। इसे लेकर किसानों ने भोपाल कलेक्टर के पास जाकर आपत्ति भी दर्ज कराई थी। हालांकि, इसे यथावत रखने की बात कही गई है।

राष्ट्रबाण
सिवनी, बुधवार 1 अप्रैल 2026

सिवनी राष्ट्रबाण

● बरघाट ● छपारा ● धनोरा ● घंसौर ● केवलारी ● कुरई ● लखनादौन ● सिवनी ग्रामीण

बिजली बिल का झटका, नल-जल योजनाओं पर संकट

यह कैसा फरमान, सूखे कंठ और मुसीबत में जान

सिवनी की पंचायतों में मंडराया रहा पानी का खतरा!

भीषण गर्मी और जल अभाव से जूझ रहे सिवनी जिले में अब बिजली विभाग के एक सख्त आदेश ने हालात और गंभीर कर दिए हैं। ग्राम पंचायतों को नल-जल योजनाओं के बकाया बिजली बिल तुरंत चुकाने का अल्टीमेटम दिया गया है, वरना कनेक्शन काटने की चेतावनी दी गई है। इस फैसले से पंचायत विभाग में हड़कंप मच गया है और ग्रामीण इलाकों में जल संकट गहराने की आशंका बढ़ गई है।

सिवनी | संवाददाता
rashtrabaan.in

मध्यप्रदेश के सिवनी जिले में इन दिनों हालात किसी दोहरे संकट से कम नहीं हैं। एक तरफ भीषण गर्मी और जल संकट, दूसरी तरफ बिजली विभाग का सख्त रुख, इन दोनों के बीच पिस रही हैं ग्राम पंचायतें और उनके भरोसे चल रही नल-जल योजनाएं। बिजली विभाग ने हाल ही में एक आदेश जारी कर जिले की सभी ग्राम पंचायतों को निर्देशित किया है कि वे नल-जल योजना से जुड़े बिजली बिलों का तत्काल भुगतान करें। स्पष्ट चेतावनी दी गई है कि यदि बकाया राशि जमा नहीं की गई तो संबंधित कनेक्शन काट दिए जाएंगे। इस आदेश के सामने आते ही पंचायत विभाग में हड़कंप मच गया है।

दरअसल, जिले की अधिकांश पंचायतों पर बिजली बिल का भारी बकाया है। यह बकाया हजारों से लेकर लाखों रुपये तक पहुंच चुका है। कई पंचायतों की आर्थिक स्थिति पहले से ही कमजोर है, ऐसे में इतनी बड़ी राशि का भुगतान करना उनके लिए किसी चुनौती से कम नहीं है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए जनपद पंचायत सिवनी की सीईओ सुश्री रेखा देशमुख ने तुरंत संज्ञान लिया है। उनका कहना है कि बिजली विभाग के आदेश के बाद सभी पंचायतों को बकाया बिलों के भुगतान के निर्देश दे दिए गए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि जिन मदों से नियमानुसार भुगतान संभव है, उन्हीं मदों से राशि का समायोजन किया जाएगा।

हालांकि, समस्या सिर्फ बकाया राशि तक सीमित नहीं है। कई पंचायतों ने यह शिकायत भी उठाई है कि उन्हें वास्तविक खपत से कहीं अधिक बिजली बिल दिए जा रहे हैं। इस वजह से बकाया राशि और भी बढ़ती जा रही है। पंचायत प्रतिनिधियों का कहना है कि जब बिल ही गलत तरीके से बढ़ा-चढ़ाकर दिए जा रहे हैं, तो उनका भुगतान कैसे संभव हो पाएगा। सीईओ सुश्री रेखा देशमुख ने इस मुद्दे को भी गंभीरता से लेते हुए कहा है कि बिजली विभाग के अधिकारियों से लगातार बातचीत की जा रही है। पंचायतों की शिकायतों का समाधान निकालने और बिलों में पारदर्शिता लाने पर चर्चा हो रही है, ताकि दोनों विभागों के बीच समन्वय स्थापित किया जा सके।

कनेक्शन कटे तो भीषण जल संकट जूझेंगे गांव

इन तमाम कोशिशों के बीच सबसे बड़ा सवाल यह है कि अगर बिजली कनेक्शन काट दिए गए तो नल-जल योजनाओं का क्या होगा? सिवनी जिला पहले ही जल अभाव घोषित किया जा चुका है। ऐसे में ग्रामीण क्षेत्रों में पानी की आपूर्ति पूरी तरह से इन योजनाओं पर निर्भर है। यदि बिजली आपूर्ति बाधित होती है, तो जल आपूर्ति ठप हो सकती है। इसका सीधा असर ग्रामीण जनता पर पड़ेगा, जो पहले से ही पानी की कमी से जूझ रही है। महिलाओं और बच्चों को दूर-दूर तक पानी के लिए भटकना पड़ सकता है, जिससे सामाजिक और स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं भी बढ़ सकती हैं।

सुश्री रेखा देशमुख, सीईओ जनपद पंचायत सिवनी : समस्या का निराकरण जल्द होगा।

स्थानीय लोगों का कहना है कि सरकार को इस मुद्दे पर तुरंत हस्तक्षेप करना चाहिए। एक ओर जहां जल संकट से निपटने के लिए योजनाएं चलाई जा रही हैं, वहीं दूसरी ओर उन्हीं योजनाओं की जीवनरेखा, बिजली को काटने की चेतावनी देना विरोधाभासी लगता है। लोगो का मानना है कि इस समस्या का समाधान केवल सख्ती से नहीं, बल्कि समन्वय और व्यावहारिक दृष्टिकोण से ही संभव है। पंचायतों को समय दिया जाना चाहिए, साथ ही बिजली बिलों की जांच कर वास्तविक खपत के अनुसार ही भुगतान सुनिश्चित किया जाना चाहिए।

दोहरे संकट में पंचायते

फिलहाल, सिवनी जिले में स्थिति बेहद नाजुक बनी हुई है। पंचायतें एक तरफ वित्तीय संकट से जूझ रही हैं, तो दूसरी तरफ जल आपूर्ति बनाए रखने की चुनौती उनके सामने है। आने वाले दिनों में यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि प्रशासन इस दोहरे संकट से कैसे निपटता है और क्या कोई ऐसा रास्ता निकल पाता है जिससे ग्रामीणों को राहत मिल सके। इस पूरे घटनाक्रम ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या बुनियादी सुविधाओं के प्रबंधन में बेहतर तालमेल और योजना की जरूरत नहीं है? क्योंकि जब बात पानी जैसी मूलभूत आवश्यकता की हो, तो किसी भी प्रकार की लापरवाही या टकराव की गुंजाइश नहीं होनी चाहिए। लेकिन ग्रीष्म काल में बिजली विभाग की यह सख्ती किसी अत्याचार से कम नहीं है। बिजली विभाग के इस आदेश को तुगलकी फरमान कहे तो अतिश्योक्ति नहीं होनी चाहिए।

प्रशासन पस्त, बैंक मस्त, सिवनी में नियम ताक पर, जनता बेहाल!

कलेक्टर के आदेश की उड़ी धज्जियाँ, आज ताले देख भड़के उपभोक्ता

सिवनी | संवाददाता
rashtrabaan.in

जिला प्रशासन और बैंकिंग संस्थाओं के बीच तालमेल की कमी कहे या फिर नियमों को ठेंगा दिखाने की जिद, सिवनी जिले में पिछले दो दिनों से जो छुट्टी का ड्रामा चल रहा है, उसने आम जनता का सिर चकरा कर रख दिया है। 31 मार्च की क्लोजिंग का वक्त और ऊपर से बैंकों की यह मनमानी जिससे नतीजा सिर्फ एक उपभोक्ताओं की फजीहत।

क्या है पूरा मामला?

कलेक्टर कार्यालय द्वारा जारी आदेश क्रमांक 1282 के अनुसार, महावीर जयंती की छुट्टी जो पहले 31 मार्च को थी, उसे बदलकर 30 मार्च दिन सोमवार को सार्वजनिक अवकाश घोषित किया गया था। लेकिन ताज्जुब की बात यह रही कि जब पूरा जिला अवकाश मना रहा था और बैंक ऑफ बड़ौदा व यूको बैंक जैसे संस्थान बंद थे, तब भारतीय स्टेट बैंक की शाखाओं में कामकाज ऐसे चल रहा था मानो ***कलेक्टर का आदेश महज एक रद्दी का टुकड़ा हो।***

31 मार्च को सन्नाटा

दिन सोमवार नियम तोड़ने वाला एसबीआई दिन मंगलवार अचानक बंद हो गया। क्लोजिंग के महत्वपूर्ण समय पर जब उपभोक्ता बैंक पहुँचे, तो उन्हें बंद शटर और तालों के सिवा कुछ नहीं मिला।

वही उपभोक्ताओं का कहना है कि साहब का आदेश या बैंक की मर्जी? सड़कों पर खड़े परेशान उपभोक्ताओं का गुस्सा सातवें आसमान पर है। लोगों का कहना है कि अगर छुट्टी 30 तारीख को थी, तो एसबीआई कल क्यों खुला था? और अगर कल खुला था, तो आज क्लोजिंग के दिन बैंक बंद रखकर जनता को परेशान करने का क्या तुक है? क्या बड़े बैंक खुद को जिला दंडाधिकारी के आदेशों से ऊपर समझते हैं? या फिर प्रशासन ने मौन सहमति दे रखी है कि बैंक अपनी मर्जी के मालिक हैं?

अधिकारियों का गोलमोल जवाब

जब राष्ट्रबाण द्वारा इस अव्यवस्था पर बैंक प्रबंधन का पक्ष जानने की कोशिश की गई, तो एल.डी.एम. प्रवीण देसोरिया का जवाब भी किसी पहेली से कम नहीं था। उन्होंने बस इतना कहकर पल्ला झाड़ लिया कि मैं ट्रैवल कर रहा हूँ, बाद में बात करूँगा। क्या प्रशासन इस दोहरी व्यवस्था और बैंकिंग अराजकता पर कोई ठोस कार्रवाई करेगा, या फिर जनता इसी तरह कल आना और आज छुट्टी है के बीच पिसती रहेगी? 31 मार्च की क्लोजिंग के दिन बैंक का बंद होना केवल लापरवाही नहीं, बल्कि आम आदमी की जरूरतों पर सीधा प्रहार है।

सिवनी में वाहन ने बाइक को टक्कर मारी

सिवनी। सिवनी जिले के घंसौर थाना क्षेत्र अंतर्गत पहाड़ी ग्राम में सोमवार, 30 मार्च की रात एक सड़क हादसे में एक दंपती गंभीर रूप से घायल हो गए। अज्ञात वाहन ने सड़क किनारे खड़ी उनकी बाइक को टक्कर मार दी। वहीं चालक मौके से फरार हो गया। जानकारी के अनुसार, राहुल विश्वकर्मा (40 वर्ष) अपनी पत्नी आरती विश्वकर्मा (35 वर्ष) के साथ अपनी बाइब के पास खड़े थे। तभी एक तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, टक्कर इतनी भीषण थी कि पति-पत्नी उछलकर सड़क पर गिर पड़े और उन्हें गंभीर चोटें आईं। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। आसपास मौजूद लोगों ने तत्परता दिखाते हुए तुरंत 108 एंबुलेंस को सूचना दी।

एंबुलेंस मौके पर पहुंची और घायलों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र घंसौर ले जाया गया। चिकित्सकों के अनुसार, दोनों की हालत गंभीर बनी हुई है और उनका उपचार जारी है। हादसे के बाद वाहन चालक मौके से फरार हो गया। घटना की सूचना मिलते ही घंसौर पुलिस भी मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया।

सिवनी के इन क्षेत्रों में आज 8 घंटे गुल रहेगी बिजली

मेंटेनेंस कार्य के चलते लिया गया शटडाउन

सिवनी | संवाददाता
rashtrabaan.in

सिवनी नगरीय क्षेत्र के उपभोक्ताओं के लिए आवश्यक सूचना है। आज दिन बुधवार 1 अप्रैल को शहर के एक बड़े हिस्से में विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी। यह कटौती आवश्यक रखरखाव मेंटेनेंस कार्य के चलते की जा रही है।

सुभाष राय कार्यपालन यंत्री एमपीईबी से प्राप्त जानकारी के अनुसार, 11 केवी टाउन-1 फीडर पर जरूरी मेंटेनेंस कार्य किया जाना है। इसके चलते सुबह 6:00 बजे से दोपहर 2:00 बजे तक बंद रहेगी। जिसमें लगभग 1220 उपभोक्ता इस कटौती से प्रभावित होंगे।

प्रभावित होने वाले प्रमुख क्षेत्र यदि आप निम्नलिखित क्षेत्रों में रहते हैं, तो अपने आवश्यक कार्य समय से पूर्व पूर्ण कर लें कॉलोनियां जिसने एकता कॉलोनी, शांति नगर, ईश्वर नगर, इन्द्रहंस नगर (द्व एवं द्वद्व), बीएसएनएल कॉलोनी, जीएडी कॉलोनी, सरोज नगर, प्रेम नगर, शुभम नगर, एमपीईबी कॉलोनी। साथ ही अन्य क्षेत्र जिसमें औद्योगिक क्षेत्र, बबरिया रोड, अपर बैनगंगा कॉलोनी रोड, आदिवासी टोला, पॉलीटेक्निक कॉलेज के पीछे का हिस्सा, मोतोश्री कॉम्पलेक्स-2 और कीर्ति पाइप फैक्ट्री क्षेत्र। वही विद्युत विभाग की अपील है कि मेंटेनेंस कार्य बिजली आपूर्ति को सुचारू बनाए रखने के लिए अनिवार्य है। कार्य की प्रगति के आधार पर समय में कुछ बदलाव संभव है। असुविधा के लिए हमें खेद है।

क्रिकेट टूर्नामेंट बना बदइंतजामी का नमूना: बाहर से आए खिलाड़ियों को 'रेन बसेरा' और पुलाव परोस कर निभाई जिम्मेदारी!

माफ़ करना खिलाड़ियों, सिवनी शर्मिंदा है...

सिवनी जिले में आयोजित अंडर-19 टी-20 चैंपियन ट्रॉफी लेदर बॉल टूर्नामेंट अब खेल से ज्यादा अव्यवस्थाओं और आरोपों को लेकर सुर्खियों में है। बैनगंगा क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित इस टूर्नामेंट में बाहर से आए युवा खिलाड़ियों को न तो उचित ठहरने की सुविधा मिली और न ही बेहतर भोजन, जिससे जिले की छवि पर सवाल खड़े हो गए हैं।

सिवनी | संवाददाता
rashtrabaan.in

मध्यप्रदेश के सिवनी जिले में इन दिनों क्रिकेट का एक बड़ा आयोजन चर्चा का विषय बना हुआ है, लेकिन वजह खेल नहीं बल्कि कुप्रबंधन और अव्यवस्थाएं हैं। बैनगंगा क्रिकेट क्लब सिवनी द्वारा आयोजित अंडर-19 टी-20 चैंपियन ट्रॉफी लेदर बॉल टूर्नामेंट अब विवादों में घिरता नजर आ रहा है। इस टूर्नामेंट में भाग लेने के लिए जिले के बाहर से कई युवा टीमें सिवनी पहुंचीं, लेकिन यहां पहुंचते ही उन्हें जिस तरह की सुविधाएं मिलीं, उसने आयोजकों की तैयारियों की पोल खोल दी। खिलाड़ियों ने नाम न छापने की शर्त पर जो जानकारी दी है, वह बेहद चौंकाने वाली है।

आयोजन समिति सिर्फ फोटो सेशन में खुश।

असुविधाओं के बीच खेलने को खिलाड़ी।

खिलाड़ियों का कहना है कि जब उन्हें इस टूर्नामेंट के लिए आमंत्रित किया गया था, तब आयोजन समिति ने बेहतर आवास और भोजन की पूरी व्यवस्था का आश्वासन दिया था। लेकिन जमीनी हकीकत इससे बिल्कुल उलट निकली। ठहरने के लिए खिलाड़ियों को ऐसी जगह दी गई, जिसका नाम 'रेन बसेरा' है। जहां न तो साफ-सफाई के उचित इंतजाम हैं और न ही खिलाड़ियों के आराम के अनुकूल माहौल।

युवा खिलाड़ियों के मुताबिक, लंबे सफर के बाद जब वे सिवनी पहुंचे तो उन्हें उम्मीद थी कि उन्हें आरामदायक व्यवस्था मिलेगी ताकि वे मैदान में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर सकें। लेकिन खराब व्यवस्थाओं के चलते उनकी उम्मीदों पर पानी फिर गया।

भोजन व्यवस्था को लेकर भी खिलाड़ियों ने नाराजगी जाहिर की है। उनका आरोप है कि 'अच्छे खाने' के नाम पर सिर्फ पुलाव परोस दिया गया, जो कि खिलाड़ियों की जरूरतों के हिसाब से न तो पर्याप्त था और न ही पोषणयुक्त। खेल प्रतियोगिताओं में खिलाड़ियों के खान-पान का विशेष ध्यान रखा जाता है, लेकिन यहां इस बुनियादी जरूरत को भी नजरअंदाज किया गया।

वसूली के आरोप

इसी बीच, टूर्नामेंट को लेकर एक और गंभीर आरोप सामने आया है, चंदा वसूली का। सूत्रों के मुताबिक, इस आयोजन के लिए बड़ी संख्या में आपराधिक और कथित दो नंबर के कारोबारियों से मोटा चंदा वसूला गया है। इस तरह की चर्चाओं ने आयोजन की पारदर्शिता पर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय खेल प्रेमियों का कहना है कि जिले में क्रिकेट जैसे खेल को बढ़ावा देने के लिए इस तरह के आयोजन जरूरी हैं, लेकिन अगर उनमें ही अव्यवस्था और अनियमितताएं हावी हो जाएं, तो इसका सीधा नुकसान खिलाड़ियों और खेल दोनों को होता है। माना जा रहा है कि किसी भी टूर्नामेंट की सफलता केवल मैचों के आयोजन से नहीं, बल्कि खिलाड़ियों को दी जाने वाली सुविधाओं से भी आंकी जाती है। यदि युवा खिलाड़ियों को ही बुनियादी सुविधाएं नहीं मिलेंगी, तो उनका मनोबल गिरना स्वाभाविक है। अब सवाल यह उठता है कि क्या आयोजन समिति इन आरोपों पर कोई स्पष्टीकरण देगी?

कठघरे में आयोजन समिति, जिले की छवि पर निशान

अजय मिश्रा, आयोजक : खिलाड़ियों की व्यवस्था पर ध्यान दो साहब।

इस पूरे मामले ने न केवल आयोजन समिति पर सवाल खड़े किए हैं, बल्कि सिवनी जिले की छवि को भी धक्का पहुंचाया है। बाहर से आए खिलाड़ी जब इस तरह के अनुभव लेकर लौटेंगे, तो इसका असर भविष्य में होने वाले आयोजनों पर भी पड़ सकता है। बाहर जिले से आये खिलाड़ियों को ऐसी बदइंतजमी उम्मीद नहीं थी। आश्चर्य की बात है की जहां सिवनी अपने श्रेष्ठ आयोजनों के लिए पहचाना जाता था। वही यह आयोजन सिवनी कलंकित साबित हो रहा है। सच में खिलाड़ियों के आगे सिवनी शर्मिंदा है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक संजय बघेल द्वारा श्री सिद्धिविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एमपी नगर भोपाल म.प्र से मुद्रित कराकर शिवनगर कॉलोनी सड़क मोहल्ला मरझोर जिला सिवनी से प्रकाशित।
RNI NO.: MPHIN/2015/72804 , **संपादक*** **संजय बघेल** पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र सिवनी होगा। E-mail: rashtrabaan@gmail.com. mob: 7000427433